

अग्र भारत

नई सोच का अखबार

www.agrabharat.in

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र



वर्षः 19 | अंकः 126 | आगरा, रविवार 25 अक्टूबर 2026 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2.00 रू.

टीवी पर चेहरा आते ही शूटरों को मिला निकल जाने का मैसेज

मुंबई(ए)। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर मुंबई में हुई फायरिंग के मामले में एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। जांच में खुलासा हुआ है कि हमले के बाद फरार हुए शूटरों को लगातार फोन कॉल, मैसेज और टीवी न्यूज के जरिए अपडेट मिल रहे थे। एक वक्त तो ऐसा भी आया जब आरोपियों की तस्वीरें टीवी पर प्रसारित होने लगीं, जिसके बाद एक शूटर को तुरंत वहां से निकलने का अलर्ट भेजा गया।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जब आरोपियों की तस्वीरें टेलीविजन पर प्रसारित होने लगीं, तो उनमें से एक को मैसेज मिला, जिसमें कहा गया था, तुम्हारे चेहरे आ गए हैं, निकल जाओ वहां से।



इस घटनाक्रम से साफ है कि हमले में शामिल आरोपियों को बाहर से लगातार जानकारी और मदद मिल रही थी। यह दर्शाता है कि हमलावरों का एक नेटवर्क था जो उन्हें पुलिस की कार्रवाई और अपनी गतिविधियों में बदलाव करने के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध करा रहा था। पुलिस अभी तक यह पता नहीं लगा पाई है कि हमलावरों को ये टीवी समाचार अपडेट या अन्य निर्देश कौन दे रहा था। हालांकि, जांच एजेंसियों को संदेह है कि किसी कम्युनिकेशन ऐप के जरिए निर्देश देने वाला व्यक्ति या तो बिश्नोई गैंग का सदस्य अनिल पंडित था, या फिर सोनीपत से हाल ही में गिरफ्तार किए गए अंकित खटक और समीर खत्री, जिन्होंने कथित तौर पर हमलावरों और पंडित के बीच कड़ी का काम किया। पुलिस ने यह नहीं बताया कि किस मैसेजिंग ऐप का इस्तेमाल किया गया था, लेकिन माना जाता है कि बिश्नोई गैंग सिग्नल या जंगी जैसे एन्क्रिप्टेड ऐप्स का उपयोग करता है। जंगी आर्मेनिया में बना एक ऐसा ऐप है जिसमें रजिस्टर करने के लिए मोबाइल नंबर की जरूरत नहीं होती। सीसीटीवी फुटेज में एक आरोपी रेहान अंसारी लगातार फोन पर बात करता हुआ दिखा है। जांच अधिकारी पहले से ही जानते थे कि यह कोई ऐसा ऐप था जो वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल का इस्तेमाल करता था, लेकिन इसका पता लगाना मुश्किल था। अब जब आरोपी पुलिस की हिरासत में हैं, तो पुलिस को दोनों पक्षों के बीच हुई कुछ बातचीत का पता चल गया है।गौरतलब है कि टाइगर श्रॉफ की कार पर 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में फायरिंग हुई थी। इस हमले में अभिनेता सुरक्षित बच गए, लेकिन उनके ड्राइवर और एक व्लॉगर को चोटें आईं। मामले में पुलिस ने राजस्थान से तीन आरोपियों फूल सिंह (18), रेहान रहिसुद्दीन अंसारी (18) और ऋतिक महतो (22) को गिरफ्तार किया था।

यूपी 2027: अखिलेश यादव से 200 सीटें मांग रही कांग्रेस

लखनऊ,(ए)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत शुरू हो गई है। कांग्रेस ने करीब 200 विधानसभा क्षेत्रों की एक सूची तैयार की है, जहां से वह चुनाव लड़ने की इच्छुक है। हालांकि, पार्टी ने स्पष्ट किया है कि उसका मकसद इतनी ही सीटें मांगना नहीं है, बल्कि गठबंधन में सम्मानजनक हिस्सेदारी हासिल करना है। कांग्रेस की इस मांग के साथ ही उसके पिछले चुनावी रिकॉर्ड पर भी नजर डालना जरूरी हो जाता है, क्योंकि पार्टी पिछले दो विधानसभा चुनावों में दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई है।



कांग्रेस ने अपनी सूची को चार श्रेणियों में बांटा है, जिसका उद्देश्य बातचीत के दौरान प्राथमिकताओं को स्पष्ट करना और समझौते की गुंजाइश बनाए रखना है। श्रेणी ए की सीटों पर कांग्रेस अपना दावा सबसे सख्त रखना चाहती है, जबकि श्रेणी बी की सीटों पर कुछ बदलावों पर विचार किया जा सकता है। श्रेणी सी और डी में शामिल सीटों पर पार्टी समझौते के लिए अपेक्षाकृत अधिक तैयार है। कांग्रेस नेताओं ने साफ किया है कि सीटों की संख्या से अधिक वे गठबंधन में अपनी राजनीतिक हैसियत और सम्मान को महत्व दे रहे हैं, जिस पर कोई समझौता नहीं होगा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन में पिछले 38 सालों से लगातार गिरावट दर्ज की गई है। 1985 में 269 सीटें जीतकर सरकार बनाने वाली कांग्रेस 2022 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ दो सीटों पर सिमट गई। 2017 में सपा के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस को केवल सात सीटें मिली थीं। यानी, पिछले दो विधानसभा चुनावों में पार्टी दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई। 1989 के बाद से कांग्रेस उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के जरिए सत्ता में वापसी नहीं कर पाई है। यह खराब प्रदर्शन सीट बंटवारे की बातचीत में उसकी मोलभाव की स्थिति को प्रभावित कर सकता है। यह बातचीत कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की अगुवाई में हुई आंतरिक बैठकों के बाद शुरू हुई है। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा था, जिसमें सपा ने 37 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीतकर कुल 43 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस प्रदर्शन ने विपक्षी गठबंधन को एक मजबूत विकल्प के रूप में पेश किया था। अब 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए सीटों का बंटवारा दोनों दलों के बीच तालमेल की एक बड़ी परीक्षा साबित होगा। भाजपा के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी गठबंधन बनाने के लिए दोनों दलों को एक-दूसरे की चुनावी प्राथमिकताओं के प्रति लचीला रुख अपनाना होगा।

रूस की जिरकॉन जैसी हो सकती है भारत की ब्रह्मोस-2 हाइपरसोनिक मिसाइल

नई दिल्ली (ए)। भारत और रूस के रक्षा सहयोग से तैयार ब्रह्मोस मिसाइल के बाद अब ब्रह्मोस-2 को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इस अगली पीढ़ी की हाइपरसोनिक मिसाइल के रूप में विकसित करने की योजना है। विभिन्न रिपोर्टों और रक्षा विश्लेषकों के अनुमानों के मुताबिक, ब्रह्मोस-2 की तकनीक रूस की 3एम22 जिरकॉन मिसाइल से प्रेरित हो सकती है। हालांकि, इसकी क्षमताओं, गति और विकास की समयसीमा को लेकर अभी तक आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। मौजूदा ब्रह्मोस दुनिया की प्रमुख सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में शामिल है। इसके मुकाबले ब्रह्मोस-2 को हाइपरसोनिक गति हासिल करने के उद्देश्य से विकसित करने की चर्चा है। कुछ अनुमानों में इसकी रफ्तार 7,400 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक हो सकती है। यदि यह क्षमता हासिल होती है, तब दुश्मन की वायु रक्षा प्रणालियों के लिए मिसाइल को समय रहते पहचानना और रोकना अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि, इसकी वास्तविक गति और परिचालन क्षमताओं की पुष्टि नहीं हुई है।



ब्रह्मोस-2 परियोजना को भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस की एनपीओ मशिनोस्ट्रोयेनिया के सहयोग से ब्रह्मोस एयरोस्पेस के माध्यम से आगे बढ़ाने की योजना है। रिपोर्टों के अनुसार, इसमें स्क्रैमजेट इंजन जैसी उन्नत प्रणोदन तकनीक का इस्तेमाल होने की संभावना है। यह तकनीक अत्यधिक तेज गति से उड़ान भरने वाली मिसाइलों के विकास में महत्वपूर्ण मानी जाती है। रूस की जिरकॉन मिसाइल को हाइपरसोनिक हथियारों की श्रेणी में रखा जाता है और रूसी नौसेना में शामिल किया जा चुका है। ब्रह्मोस-2 में भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स, मार्गदर्शन प्रणाली और लक्ष्य पहचान तकनीक के इस्तेमाल की भी संभावना जताई गई है। प्रस्तावित योजना के अनुसार, इसे विभिन्न सैन्य प्लेटफॉर्म से दागने योग्य बनाने पर विचार हो सकता है। कुछ रिपोर्टों में इसकी संभावित मारक क्षमता 1,500 किलोमीटर तक बताई गई है, लेकिन यह आंकड़ा भी आधिकारिक रूप से प्रमाणित नहीं है।

इस परियोजना के सामने कई चुनौतियां हैं। इनमें विकास की ऊंची लागत, उन्नत तकनीक का हस्तांतरण और तीनों सेनाओं की परिचालन प्राथमिकताएं शामिल हैं। कुछ अनुमानों के मुताबिक, एक ब्रह्मोस-2 की कीमत मौजूदा ब्रह्मोस से काफी अधिक हो सकती है। रूस से संवेदनशील स्क्रैमजेट तकनीक हासिल करना भी चुनौती माना जा रहा है। इस बीच, ब्रह्मोस एयरोस्पेस हल्की ब्रह्मोस-एनजी मिसाइल के विकास पर भी काम कर रहा है। इसके बाद ब्रह्मोस-2 के परीक्षणों की समयसीमा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। कुछ रिपोर्टों में 2027-28 के बाद उड़ान परीक्षण की संभावना है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

250 पूर्व नौसैनिकों को बिना परीक्षा मिलेगी पुलिस में नौकरी

मुंबई,(ए)। महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय नौसेना के 250 से अधिक पूर्व अग्निवीरों को राज्य के तटीय पुलिस बल में शामिल किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में यह जानकारी देते हुए बताया कि इन अग्निवीरों को उनकी सैन्य ट्रेनिंग और उत्कृष्ट सेवा को देखते हुए सीधी भर्ती के तहत लिया गया है। उन्हें किसी भी नई भर्ती परीक्षा से छूट दी गई है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया कि सरकार ने यह फैसला लिया है कि सशस्त्र बलों में अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीर यदि चाहें तो महाराष्ट्र पुलिस सहित राज्य सरकार के अन्य बलों में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, इन युवाओं ने गहन ट्रेनिंग ली है और सीमाओं पर अपनी सेवाएं भी दी हैं। इनके पास बेहतरीन क्षमताएं हैं, जिससे ये पुलिस बल के लिए बेहद उपयोगी साबित होंगे।

पहले बैच में शामिल ये सभी नौसेना के जवान समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे। फडणवीस ने बताया कि इस कदम से तटीय पुलिस बल की क्षमता में वृद्धि होगी, क्योंकि राज्य की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा के लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। उन्होंने आगे कहा, उन्हें शामिल करने के लिए हमें नियमों में कुछ बदलाव करने पड़े, और हमने सफलतापूर्वक ऐसा किया। भर्ती प्रक्रिया के बारे में फडणवीस ने बताया कि ये नियुक्तियां बिना किसी नई परीक्षा के सीधे की गई हैं। उन्होंने तर्क दिया, सशस्त्र बलों में जाने के लिए वे पहले ही एक बहुत कठिन चयन प्रक्रिया से गुजर चुके हैं। इसलिए उन्हें किसी और परीक्षा से गुजरने की जरूरत नहीं थी। सभी को सीधे नियुक्ति पत्र जारी कर दिए गए हैं। यह फैसला महाराष्ट्र सरकार की उस पूर्व घोषणा का हिस्सा है, जिसके तहत चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों को महाराष्ट्र पुलिस और राज्य सरकार के अन्य बलों में बिना किसी नई परीक्षा या दोबारा प्रशिक्षण के शामिल किया जाएगा।

कोलकाता भगदड़ की जांचः पंडाल गिरने की घोषणा से मची थी भगदड़

कोलकाता(ए)। चोरबागान में एक पूजा पंडाल में मची दुखद भगदड़ को मानवीय भूल का परिणाम बताते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हादसे में 19 लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच के बाद आने वाली सभी सिफारिशों को पूरी तरह से लागू किया जाएगा। अधिकारी ने मानिकतला के बागमारी निवासी शुभम सोनकर और श्यामपुकुर निवासी मिठू मंडल सहित दो पीड़ितों के आवासों का दौरा करने के बाद ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने शोकसंतप्त परिवारों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने बताया कि इन दोनों को सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान पहचाना गया। वे दुर्गा पूजा के पहले दिन शाम को पंडाल में घोषणाएं कर रहे थे, जिसमें दावा किया गया था कि पंडाल गिर रहा है और आगंतुकों को तुरंत वहां से निकलने को कहा जा रहा था। ऐसा लगता है कि इन घोषणाओं से दहशत फैल गई, जिससे लोग बाहर निकलने के लिए तेजी से भागे और भगदड़ मच गई। राहा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की गैर-जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और उसे अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस उन घटनाओं की कड़ियां जोड़ रही है जिनके कारण भगदड़ मची। मुख्यमंत्री ने बताया कि भगदड़ मुख्य रूप से मानवीय चूक के कारण हुई थी। उन्होंने एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश को जांच की जिम्मेदारी सौंपी है, जो पुलिस की सहायता से तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। राज्य सरकार जांच के आधार पर की गई सिफारिशों को लागू करेगी और निष्कर्षों को सार्वजनिक करेगी। अधिकारी ने कहा, जो भी सिफारिशें की जाएंगी, राज्य सरकार उन्हें तुरंत लागू करेगी, विधानसभा के सामने रखेगी, संवाददाताओं को उपलब्ध कराएगी और इसे सार्वजनिक रूप से भी जारी करेगी। उन्होंने शोकसंतप्त परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि इन परिवारों के साथ खड़ा होना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने निजी एजेंसियों और राजनीतिक संगठनों को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने इन परिवारों का साथ दिया है। इस बीच, भगदड़ फैलाने के आरोप में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। शुक्रवार को दो और गिरफ्तारियां की गई, जिनमें संजीब राहा और कुशल मजूमदार शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, संजीब राहा, जो चोरबागान दुर्गा पूजा समिति का कोषाध्यक्ष भी था, को गुरुवार को नादिया जिले से हिरासत में लिया गया था, जबकि कुशल मजूमदार को शुक्रवार को गिरीश पार्क इलाके से गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी कोलकाता की अमर बसु सरणी के निवासी हैं और उनका घर पूजा स्थल से महज 50 मीटर दूर है।

यूरोप में भारतीय हथियारों की मांग में भारी उछाल

नई दिल्ली (ए)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी सैन्य संघर्ष ने यूरोपीय देशों में हथियारों और गोला-बारूद की गंभीर कमी पैदा कर दी है, जिससे भारतीय रक्षा उद्योग के लिए नए और महत्वपूर्ण व्यावसायिक अवसर उभरे हैं। एक वैश्विक रिपोर्ट और व्यापारिक आंकड़ों के अनुसार, युद्ध शुरू होने के बाद से भारतीय रक्षा कंपनियों ने यूरोपीय देशों को 87.2 करोड़ डॉलर (लगभग सात हजार करोड़ रुपये) से अधिक के गोला-बारूद का निर्यात किया है। इसमें मुख्य रूप से तोप के गोले, मोर्टार शेल, विस्फोटक सामग्री और इनके निर्माण में प्रयुक्त होने वाले घटक शामिल हैं, न कि लड़ाकू विमान या मिसाइलें। युद्ध से पूर्व के चार वर्षों की तुलना में यूरोप को भारत द्वारा किए गए इस निर्यात में 1600 प्रतिशत से भी अधिक का भारी उछाल दर्ज किया गया है।



प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि कुल निर्यात का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा पूर्वी और मध्य यूरोप के तेरह देशों को भेजा गया है, जो यूक्रेन को लगातार सैन्य सहायता और गोला-बारूद प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस बढ़ती मांग के परिणामस्वरूप, भारत अब पूर्वी यूरोप को गोले, मोर्टार और विस्फोटक आपूर्ति करने वाले देशों की सूची में दक्षिण कोरिया के बाद दूसरे स्थान पर आ गया है, जबकि चार वर्ष पहले तक भारत इस सूची में 28वें पायदान पर था। रक्षा निर्यात में आया यह ऐतिहासिक उछाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान और रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की नीतियों का सीधा परिणाम है। भारत का कुल वार्षिक रक्षा निर्यात अब चार अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया है, जो एक दशक पहले की तुलना में लगभग 25 गुना अधिक है। इस सफलता में सरकारी कंपनी म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड जैसी प्रमुख रक्षा इकाइयों का निर्णायक भूमिका रही है। यद्यपि भारत ऐतिहासिक रूप से रूस का एक बड़ा हथियार खरीदार रहा है और यूरोपीय देश रूस को अपना प्रतिद्वंद्वी मानते हैं, इसके बावजूद भारतीय कंपनियों से गोला-बारूद की यह खरीदारी जारी है। भारतीय रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ये सौदे विशुद्ध रूप से व्यावसायिक मांग पर आधारित हैं और भारत किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय संघर्ष में शामिल होने के बजाय अपनी रणनीतिक स्वायत्तता की नीति पर कायम है।

जामिया में छात्र संघ चुनाव की मांग पर आंदोलन तेज

नई दिल्ली,(ए)। जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन तेज हो गया है। कई दिनों से जारी प्रदर्शन के बीच कुछ छात्र अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। आंदोलन के दौरान विश्वविद्यालय परिसर की दीवारों पर कथित आपत्तिजनक और विवादित नारे लिखे जाने का मामला सामने आने के बाद विवाद ने राजनीतिक रूप भी ले लिया है। जामिया में आखिरी बार वर्ष 2005 में छात्र संघ चुनाव हुए थे। वर्ष 2006 में निर्वाचित छात्र संघ इकाई को भंग कर दिया गया था। इसके बाद से ही छात्र संगठन की बहाली की मांग उठती रही है। अब छात्र 'यूनाइटेड स्टूडेंट्स ऑफ जामिया' के बैनर तले एकजुट होकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों की तीन प्रमुख मांगें हैं। वे मौजूदा शैक्षणिक सत्र में छात्र संघ चुनाव की तारीख तत्काल घोषित करने, प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ की गई सभी अनुशासनात्मक कार्रवाइयां वापस लेने और विश्वविद्यालय के सुरक्षा सलाहकार तथा चीफ प्रॉक्टर को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि छात्र संघ उनकी समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने का माध्यम है। छात्रों की मांगों पर विश्वविद्यालय की उच्चस्तरीय समिति ने बताया है कि छात्र संघ का संविधान तैयार करने के लिए ड्राफ्ट कमेटी गठित की गई है। समिति को मसौदा तैयार करने में दो महीने लगेंगे। प्रशासन ने छात्रों से प्रदर्शन समाप्त कर प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की है। साथ ही 12 अक्टूबर के बाद की गई अनुशासनात्मक कार्रवाइयों की समीक्षा का आश्वासन दिया है। हालांकि, छात्र प्रशासन के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं। भूख हड़ताल पर बैठे छात्र जासिम अली खान के मुताबिक, वह 13 दिनों से हड़ताल पर हैं। उन्होंने कहा कि दो महीने की समयसीमा केवल संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए है, चुनाव कराने के लिए नहीं। छात्रों की मांग है कि प्रशासन चुनाव की स्पष्ट समयसीमा घोषित करे। एक अन्य छात्र ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और शिक्षा मंत्रालय से हस्तक्षेप कर चुनाव प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की मांग की। इस बीच विश्वविद्यालय परिसर की दीवारों पर कथित आपत्तिजनक और विवादित नारे लिखे जाने की तस्वीरें सामने आने के बाद मामला और गरमा गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने घटना की निंदा करते हुए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर कार्रवाई करने की बात कही। बाद में नारों को दीवारों से हटा दिया गया। प्रदर्शनकारी छात्रों का आरोप है कि विवादित नारों के जरिए छात्र संघ चुनाव की मांग से ध्यान भटकाने और आंदोलन को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

शिवा हत्या कांडः तीन युवकों ने खाया था जहर, मुंबई से छोड़ा था प्रेमी

लखनऊ,(ए)। कैफे कारोबारी शिवा शर्मा की हत्या के आरोप में गिरफ्तार मॉडल श्रद्धा दुबे के शुरुआती जीवन और प्रेम संबंधों को लेकर कई चौंकाने वाले दावे सामने आ रहे हैं। रायबरेली से जुड़े उसके एक पुराने दोस्त के मुताबिक, वर्ष 2009-10 के दौरान श्रद्धा के प्रेम प्रसंगों के चलते तीन युवकों ने कथित तौर पर जहर खाकर जान देने की कोशिश की थी। इतना ही नहीं, यह भी खुलासा हुआ है कि श्रद्धा अपने एक प्रेमी के साथ मुंबई गई थी, लेकिन महज 25 दिन बाद उसे बिना बताए ही वहां से लौटकर रायबरेली आ गई थी।

नाम न छापने की शर्त पर एक पुराने दोस्त ने जानकारी दी है कि रायबरेली के बस्तेपुर रामजीपुरम मोहल्ले की रहने वाली श्रद्धा नौवीं कक्षा से ही अपने प्रेम संबंधों को लेकर चर्चा में थी। उसके मुताबिक, श्रद्धा की तीन-चार युवकों से दोस्ती थी, और कभी नजदीकी बढ़ने तो कभी दूरी बनने के कारण उनके बीच विवाद की स्थिति बन जाती थी। इसी दौरान तीन युवकों ने कथित तौर पर जहर खाकर जान देने की कोशिश की थी। हालांकि, परिजनों की सतर्कता से उनकी जान बच गई थी। इन दावों की पुष्टि के लिए अभी तक कोई स्वतंत्र साक्ष्य सामने नहीं आया है। दोस्त के अनुसार, 11वीं की पढ़ाई के दौरान श्रद्धा अपने प्रेमी संग मॉडलिंग में करियर बनाने का सपना लेकर मुंबई चली गई थी। दोस्त का दावा है कि 25 दिन बाद वह अपने प्रेमी को बिना बताए ही रायबरेली वापस लौट आई थी। हालांकि, इस घटनाक्रम की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

श्रद्धा ने फिल्मों में काम करने और मॉडलिंग में करियर बनाने के लिए काफी कोशिशें कीं। उसके मुंबई, हैदराबाद और लखनऊ में रहने की चर्चाएं भी सामने आई हैं। पुराने परिचितों के बीच उसके प्रेम संबंधों और निजी जिंदगी को लेकर तरह-तरह की बातें हो रही हैं। प्रेम संबंधों के जरिए लोगों से रुपये लेने और आर्थिक धोखाधड़ी के आरोपों की भी चर्चाएं हैं। इस बीच, पुलिस टीमें श्रद्धा के बैंक खातों की भी जानकारी जुटा रही हैं। पुलिस ने श्रद्धा और उसकी बहन रश्मि के बैंक खातों के ब्योरे के लिए कई बैंकों से संपर्क साधा है। श्रद्धा का एसबीआई का एक बैंक खाता, जिसमें छह लाख रुपये थे, पुलिस ने पहले ही फ्रीज करा दिया था। वहीं, सहारनपुर पुलिस ने साइबर ठगी के एक अन्य मामले में उसका एक और खाता फ्रीज किया है। पुलिस अन्य खातों का भी गहनता से परीक्षण कर रही है।